जनगणना भविष्य की दिशा तय करने वाला महायज्ञ है- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रदेशवासियों से जनगणना में सहभागिता निभाने की अपील की

जयपुर, 29 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से भारत की 'जनगणना 2027' में अपनी सहभागिता निभाने के लिए अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा तय करने वाला एक महान राष्ट्रीय यज्ञ है। उन्होंने नागरिकों से आ ान किया कि जनगणना में सहभागिता को सामाजिक न्याय के अवसर के रूप में अपनाएं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है। जनगणना कार्मिक लंबी दूरियां तय करके लोगों तक पहुंचेगे, ऐसे में आमजन जनगणना के कार्य में उनका सहयोग करें। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि मकान और परिवार से संबंधित सटीक, सत्य और पूर्ण जानकारी प्रदान कर इस राष्ट्र यज्ञ में अपनी आहुति दें।

उन्होंने बताया कि राजस्थान में जनगणना 2027 का प्रथम चरण मई से शुरू हो रहा है। इसके तहत मकानों की सूची और गणना का कार्य 16 मई से 14 जून तक किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। प्रदेशवासी आवश्यक सहयोग करते हुए मकानों की गणना से संबंधित प्रश्नों के सही उत्तर देकर अपना दायित्व निभाएं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने बताया कि डिजिटल इंडिया के विजन को आगे बढ़ाते हुए 1 मई से 15 मई के बीच नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा भी दी जाएगी। उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठाए और ... पोर्टल के जरिए अपनी जानकारी दर्ज कर इस राष्ट्रीय दायित्व के सहभागी बनें।

गौरतलब है कि सटीक जनगणना विकास योजनाओं का एक महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना के समय संकलित आंकड़ों से ही केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का निर्धारण एवं क्रियान्वयन प्रभावशीलता के साथ संभव हो पाता है। सरकार को पुख्ता आंकड़ों से ही गांव-शहरों के व्यक्तियों और परिवारों की स्थिति, बिजली, पानी, सड़क, शौचालय, स्कूल, चिकित्सालय, घरेलू गैस कनेक्शन आदि की उपलब्धता और आवश्यकता के बारे में जानकारी मिलती है। ऐसे में सभी नागरिक अपना सक्रिय योगदान देते हुए जनगणना 2027 को सफल बनाएं।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि डिजिटल इंडिया के विज़न के तहत 1 मई से 15 मई तक नागरिकों को स्व गणना की सुविधा दी गई है। उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठाये।

भारी वर्षा से बेंगलुरु के अस्पताल की दीवार गिरी

बेंगलुरु, 29 अप्रैल । शहर में शिवाजीनगर स्थित बोरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल की एक पुरानी चहारदीवार भारी बारिश के कारण बुधवार को ढहने से कई लोग मलबे में दब गए है। प्रारंभिक जानकारी में सात लोगों की मौत हो गई है, लेकिन अधिकारिक रूप से अभी पुष्टि नहीं की गई।मौके पर बचाव व राहत कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटनास्थल का दौरा किया है।

बताया गया कि बुधवार शाम को तेज बारिश के दौरान बोरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल की एक पुरानी चहारदीवार अचानक ढह गई। इस घटना में 15 लोग दीवार के मलबे में दब गए है। प्रारंभिक जानकारी में सात लोगों की मौत हुई है, लेकिन अधिकारिक रूप से अभी पुष्टि का इंतजार है। इस हादसे में कई बच्चों समेत अन्य लोग भी घायल भी हुए हैं। बचाव व राहत कार्य में तेजी लाने और घायलों के उचित इलाज के आदेश दिए हैं।

ममता बनर्जी ने भवानीपुर के बूथों का निरीक्षण किया

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि आयोग ने बाहर से पर्यवेक्षक बुलाकर मतदाताओं को डराया है

कोलकाता, 29 अप्रैल । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के दौरान आज भवानीपुर में राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है। यहां से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मैदान में हैं। उन्होंने सुबह कई बूथों का दौरा कर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए।

ममता कालीघाट स्थित अपने आवास से निकलकर चेतला और पद्मपुकुर रोड इलाके में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने कई मतदान केंद्रों के बाहर रुककर स्थिति का जायजा लिया और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत भी की। बाद में उन्होंने चक्रबेड़िया क्षेत्र के एक बूथ का भी निरीक्षण किया।

इस दौरान मीडिया से बातचीत में ममता ने मतदान प्रक्रिया के दौरान बाहरी पर्यवेक्षकों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ लोग बाहर से आकर मतदाताओं में भय का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले बिना परामर्श के किए जा रहे हैं।

ममता ने कहा, "कई पर्यवेक्षक राज्य के बाहर से आये हैं। वे बीजेपी के आदेश पर काम कर रहे हैं। कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। हमने कोर्ट की अवमानना का नोटिस भेजा है, फिर भी कई बाहरी पर्यवेक्षकों को यहां लाया गया है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग तृणमूल कांग्रेस को खुलेआम परेशान कर रहा है। न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं हो रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहरी पर्यवेक्षक मतदाताओं के बीच भय और दहशत फैला रहे हैं।

विपक्ष के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने ममता बनर्जी के सुबह-सुबह बूथ निरीक्षण करने पर पर तंज कसते हुए कहा कि वे दबाव में आकर सुबह ही मैदान में उतर गई हैं। उन्होंने कहा कि बिना दबाव के नेता ऐसे कदम नहीं उठाते।

■ ममता बनर्जी भवानीपुर से चुनाव लड़ रही हैं जहां उनका मुकाबला भाजपा के शुभनेन्दु अधिकारी से है।

प.बंगाल में चुनाव के दौरान 539 करोड़ रु. से ज्यादा की नकदी व अवैध सामान जब्त

चुनाव आयोग ने भारी मात्रा में नकदी, अवैध शराब, ड्रग्स व हथियार पकड़े हैं

कोलकाता, 29 अप्रैल । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दूसरे चरण के मतदान के बीच राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने बुधवार को प्रेस विज्ञिप्त जारी कर चुनावी आचार संहिता के दौरान सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और चुनावी कार्रवाई से जुड़ा बड़ा अपडेट दिया है।

चुनाव आयोग के मुताबिक, 15 मार्च 2026 से अब तक राज्यभर में बड़े पैमाने पर अवैध हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं। ?

अब तक 397 अवैध हथियार जब्त किए गए हैं। इसके अलावा 712 कारतूस, 222.57 किलोग्राम विस्फोटक और कुल एक हजार 365 बम जब्त किए जाने की भी जानकारी दी गई है। वहीं, राज्य में कुल पांच लाख 28 हजार 694 लाइसेंसी हथियारों में से एक लाख 70 हजार छह हथियार जमा कराए गए हैं।

निर्वाचन आयोग ने बताया कि 26 फरवरी 2026 से 28 अप्रैल रात नौ बजे तक राज्यभर में भारी मात्रा में नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुएं और फ्रीबीज जब्त की गई हैं। अब तक 30 करोड़ 69 लाख 77 हजार रुपये नकद जब्त किए गए हैं। 51 लाख 43 हजार 44.71 लीटर शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत 134 करोड़ 55 लाख आठ हजार रुपये आंकी गई है।

ड्रग्स और नारकोटिक्स की बात करें तो 67 लाख 74 हजार 550.31 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 119 करोड़ 73 लाख 87 हजार रुपये है। इसके अलावा तीन लाख 74 हजार 215.97 ग्राम कीमती धातुएं बरामद हुई हैं, जिनकी कीमत 65 करोड़ 60 लाख 35 हजार रुपये बताई गई है। फ्रीबीज और अन्य सामान की जब्ती का मूल्य 189 करोड़ 13 लाख 24 हजार रुपये है। कुल मिलाकर अब तक 539 करोड़ 72 लाख 31 हजार रुपये की जब्ती की जा चुकी है।

■ चुनाव आयोग ने बताया 397 अवैध हथियार, 712 कारतूस, 1365 बम जब्त किए तथा 5.28 लाख लाइसैंसी हथियारों में से 1.70 लाख को थाने में जमा किया गया था।

तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेष लेह पहुंचे

लेह, 29 अप्रैल । आध्यात्मिक उत्साह और भक्तिमय वातावरण के बीच तथागत बुद्ध के पवित्र पिपरावा अवशेष बुधवार को लेह पहुंचे। इसी के साथ केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख में ऐतिहासिक व आध्यात्मिक उत्सव का शुभारंभ हो गया। लद्दाख में ये अवशेष 2 से 10 मई तक, बाद में 11 और 12 मई को ज़ांस्कर में और फिर 13 से 14 मई को लेह के धर्म केंद्र में लोगों के दर्शनार्थ रखे जाएंगे। इसके बाद 15 मई को इन्हें वापस दिल्ली लाया जाएगा।

केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने नई दिल्ली से लेह हवाई अड्डे पहुंचने पर पवित्र अवशेषों का हार्दिक और श्रद्धापूर्वक स्वागत किया। नई दिल्ली में ही ये पवित्र अवशेष मूल रूप से संरक्षित हैं।

■ लद्दाख के विभिन्न शहरों से लोग 2 मई से 14 मई तक इनके दर्शन करेंगे।

गुजरात साबरकांठा में बस ने कार को टक्कर मारी, 6 की मौत

बुधवार सुबह हुए इस हादसे में लग्ज़री बस ने कार को टक्कर मार दी, हादसे में 8 अन्य घायल हुए हैं

साबरकांठा, 29 अप्रैल । गुजरात के साबरकांठा जिले में बुधवार सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, हिम्मतनगर के पास जसवंतगढ़ पाटिया के निकट शामलाजी से अहमदाबाद जाने वाले नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार से आ रही एक निजी लग्जरी बस ने आगे चल रही इको कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। हादसे में कार सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी मूलसिंह मकवाना ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का पिछला और ऊपरी हिस्सा पूरी तरह दब गया। कार में सवार लोग गंभीर रूप से घायल होकर अंदर ही फंस गए थे।

■ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार का पिछला हिस्सा दब गया था, गंभीर रुप से घायल कुछ लोगों को बड़ी मुश्किल से निकाला गया।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फैसला सुरक्षित रख चुका है। वह बीते कई दिनों से अंतरिम जमानत पर हैं और अपना इलाज करा रहे हैं। यदि अंतरिम जमानत की अवधि को आगे नहीं बढ़ाया तो उपचार बीच में छोड़कर वापस जेल में सरेंडर करना होगा।

ऐसे में उसकी स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए अंतरिम जमानत की अवधि को बढ़ाया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने अंतरिम जमानत की अवधि को 25 मई तक बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि नाबालिग से यौन उत्पीडन मामले में आसाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। वहीं निचली अदालत के आदेश के खिलाफ पेश अपील पर हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रखा हुआ है।

'अगले दो दशक में असामान्य गर्मी में 40 दिनों की वृद्धि होगी'

काउंसिल ऑन एनर्जी एनवायरमैंट एंड वॉटर ने आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस आधारित क्रेविस प्लेट फॉर्म जारी कर जानकारी दी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) ने बुधवार को आर्टिफिशियसल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित क्लाइमेट रेजिलिएंस एनालिटिक्स एंड विजुअलाइजेशन इंटेलिजेंस सिस्टम (क्रेविस) को जारी किया। इस मौके पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर पीयूष गोयल ने कहा कि सीईईडब्ल्यू का बनाया क्रेविस प्लेटफॉर्म इस बात में व्यापक बदलाव ला सकता है कि लगातार गर्म होती दुनिया में भारत अपनी योजनाएं कैसे बनाए। पीयूष गोयल ने कहा कि बढ़ता तापमान, गर्म दिनों की बढ़ती संख्या और भारी बारिश की लगातार होती घटनाएं, इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि जलवायु परिवर्तन भारत के लिए मौजूदा समय की वास्तविकता है, जो हमारी अर्थव्यवस्था और दैनिक जीवन को प्रभावित कर रही है।

काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर के सीईओ डॉ. अरुणाभा घोष ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म जलवायु लचीलेपन (क्लाइमेट रेजिलिएंस) के लिए हमारे 12 वर्षों के कार्यों पर आधारित है: 2014-15 में शुरुआती वैश्विक प्रयासों से लेकर बहुत ही बारीक शहर-स्तरीय विश्लेषणों तक, जैसे कि अमरावती में हमारा काम हो या सभी जिलों के जोखिम की मैपिंग करना, या अब लचीलेपन को सशक्त बनाने के लिए तैयार की गई केविस जैसी एक गतिशील, एआई-सक्षम प्रणाली। जलवायु विज्ञान और एआई में प्रगति के बावजूद, निर्णयकर्ताओं को अभी भी ऐसी व्यावहारिक जानकारियों (ऐक्शनेबल इनसाइट्स) की जरूरत होती है जो उन्हें समय पर कदम उठाने में सक्षम बनाए। क्रेविस को क्लाइमेट इंटेलिजेंस को एक मॉडल से निकालकर शासन के सभी स्तरों पर निर्णय-कर्ताओं के हाथों तक पहुंचाने के लिए विकसित किया गया है, ताकि इसे भारत के सभी जिलों से लेकर बाजारों तक, और अंत में संपूर्ण ग्लोबल साउथ में विभिन्न क्षेत्रों और स्तरों पर दैनिक योजनाओं और प्रतिक्रिया प्रणालियों के लिए उपयोगी, विश्वसनीय और उसमें शामिल करने योग्य बनाया जा सके।

■ कार्यक्रम में मौजूद केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, बढ़ते तापमान के अनुरुप देश की योजनाएं बनाई जाएंगी।

कोटा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खींचकर ले गया। बेटे चंद्रप्रकाश और गोलू ने बचाने की कोशिश की, इस दौरान मगरमच्छ के हमले से चंद्र प्रकाश के हाथ पर चोट लग गई। थानाधिकारी ने बताया कि मगरमच्छ का भी खतरा बना हुआ था, इसलिए रेस्क्यू टीम का इंतजार किया गया, लेकिन टीम आने से पहले ही मौके पर मौजूद ग्रामीणों की मदद से मुरली के शव को चंबल नदी से रिकवर कर लिया गया। वन विभाग को भी मामले की सूचना दी गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

प.बंगाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेता प्रतिपक्ष शुभेन्दु अधिकारी भवानीपुर सीट पर आमने-सामने हैं। इसके अलावा राज्य के मंत्री फिरहाद हकीम, अरूप बिश्वास, जावेद खान, सुजीत बसु, शशि पांजा समेत सत्तारूढ़ तृणमूल सरकार के कई मंत्री, बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार, माकपा की मीनाक्षी मुखर्जी और दीप्शिता धर शामिल हैं। इसके अलावा आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म और हत्या की शिकार हुई डॉक्टर की मां रत्ना देवनाथ एवं संदेशखाली आंदोलन का चेहरा रेखा पात्र भी भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार हैं।

'जवाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महाधिवक्ता महावीर बिश्नोई व सहयोगी अधिवक्ता हर्षवर्धन सिंह, अतिरिक्त महाधिवक्ता बीएल भाटी व सहयोगी अधिवक्ता दीपक चांडक, अतिरिक्त महाधिवक्ता एन.एस. राजपुरोहित की ओर से अतिरिक्त सहायक महाधिवक्ता अदिति शर्मा और केन्द्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल व वरिष्ठ अधिवक्ता भरत व्यास, मय सहायक अधिवक्ता टी.सी. शर्मा और अभिषेक अग्रवाल ने पक्ष रखा।

प्र.मंत्री मोदी ने काशी विश्वनाथ मंदिर में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी देखी

विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी है

वाराणसी/भोपाल, 29 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी प्रवास के दौरान विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग बाबा विश्वनाथ को समर्पित विश्व की पहली 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' का अवलोकन किया।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैशाख कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, 3 अप्रैल 2026 को यह विशेष घड़ी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट की थी। इसके अगले दिन 4 अप्रैल 2026 को इसे काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थापित किया गया।

मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार डॉ. श्रीराम तिवारी ने बताया कि कालगणना की नगरी उज्जैन में विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की स्थापना की गई थी, जिसका लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 फरवरी 2024 को किया था। यह घड़ी वैदिक कालगणना के सभी प्रमुख घटकों को समाहित करती है और सूर्योदय के आधार पर संचालित होती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी प्रवास के दौरान बाबा विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्वर्णमंडित गर्भगृह में विधिवत पूजन-अभिषेक किया। पूजा के बाद उन्होंने मंदिर परिसर में स्थापित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अवलोकन किया और इसकी विशेषताओं की जानकारी ली। डॉ. तिवारी ने बताया कि आने वाले समय में अयोध्या स्थित राम मंदिर सहित देश के सभी ज्योतिर्लिंगों में भी वैदिक घड़ी स्थापित करने की योजना है। इससे भारतीय संस्कृति, परंपरा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को एक साथ आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन द्वारा भारतीय कालगणना पर आधारित विश्व की पहली 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' विकसित की गई है। यह घड़ी एक सूर्योदय से अगले सूर्योदय तक के समय की गणना करती है।

■ यह घड़ी मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट की थी।

'प.बंगाल में मामूली बढ़त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव हुए। एग्ज़िट पोल के नतीजे केवल मतदान समाप्त होने के बाद ही प्रकाशित किए जा सकते हैं, और चुनाव आयोग का प्रतिबंध बुधवार शाम 6:30 बजे तक लागू है।

चाणक्य स्ट्रैटैज़ीस के अनुसार, भाजपा को लगभग 150-160 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को 130-140 सीटें मिलने की संभावना है। अन्य पार्टियां लगभग 6-10 सीटें जीत सकती हैं।

2021 में एग्ज़िट पोल ने बंगाल में टीएमसी और भाजपा के बीच करीबी मुकाबले का अनुमान लगाया था। उस समय पोल ऑफ पोल्स ने अनुमान लगाया था कि ममता बनर्जी की टीएमसी 292 सीटों में से 156 जीत सकती हैं और भाजपा को 121 सीटें मिल सकती हैं।

लेकिन अंततः, ममता बनर्जी की टीएमसी ने भारी जीत हासिल की और 292 सीटों में से 215 सीटें जीतीं। भाजपा ने 77 सीटें जीतकर पहली बार पश्चिम बंगाल विधानसभा में मुख्य विपक्षी पार्टी के रूप में उभरी।

जैसे-जैसे एग्ज़िट पोल के आंकड़े आ रहे हैं, इस लाइव ब्लॉग में सीटों का अनुमान, वोट शेयर, क्षेत्रवार रुझान, टीएमसी की बढ़त या भाजपा की प्रगति और गिनती के दिन से पहले संभावित संकेतों पर नजर रखी जाएगी।

एग्ज़िट पोल बंगाल और असम में भाजपा की, तमिलनाडु में द्रमुक की तथा केरल में यूडीएफ की जीत बता रहे हैं।

असम: अधिकांश पोल्स से संकेत मिलता है कि भाजपा की हिमंता बिस्वा सरमा सरकार को मजबूत बढ़त मिल सकती है, जिससे लगातार तीसरी बार उसके सत्ता में आने की संभावना है। कांग्रेस कमजोर स्थिति में है।

तमिलनाडु: अधिकांश एग्ज़िट पोल एमके स्टालिन के द्रमुक गठबंधन की जीत दिखा रहे हैं। टीवीके कुछ क्षेत्रों में प्रभाव बढ़ा रहा है। तीन अनुमानों में द्रमुक गठबंधन आधे निशान के आसपास या उससे ऊपर दिख रहा है।

केरल: "ऐक्सिस माइ इंडिया" के अनुसार, यूडीएफ 78-90 सीटों के साथ आगे है, एलडीएफ 49-62 सीटों पर और भाजपा प्लस 0-3 सीटों पर सीमित रह सकती है। जेवीसी एग्ज़िट पोल में एनडीए को 88-101 सीटों की बढ़त दिखाई गई है।

तमिलनाडु: पीपुल्स पल्स एग्ज़िट पोल में द्रमुक प्लस गठबंधन को 125-145 सीटें मिलीं, अन्नाद्रमुक प्लस को 65-80 सीटें और टीवीके को 18-24 सीटें मिल सकती हैं।

पुडुचेरी: ऐक्सि माइ इंडिया के अनुसार एनडीए को 16-20 सीटें और द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन को 6-8 सीटें मिलने की संभावना है। टीवीके को 2-4 सीटें मिल सकती हैं। पुडुचेरी विधानसभा में कुल 30 सीटें हैं।

प.बंगाल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पास) पर टेप लगी हुई दिखाई गई। उन्होंने दावा किया कि एक अन्य बूथ भी इसी तरह से प्रभावित हुआ है, साथ ही कई अन्य बूथ भी। इसके जवाब में, तृणमूल प्रवक्ता रिजु दत्ता ने कहा कि मालवीय को अपने वरिष्ठ पदाधिकारियों से शिकायत करनी चाहिए और चुनाव आयोग के पास यह मामला उठाना चाहिए, बजाय ऑनलाइन पोस्ट करने के। दत्ता ने कहा, "पूरा मामला चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है। वे क्या कर रहे हैं? ट्वीट करने के बजाय, अमित मालवीय को अपने शीर्ष अधिकारियों से शिकायत करनी चाहिए कि (मुख्य चुनाव आयुक्त) ज्ञानेश कुमार को तुरंत हटाया जाए। (पुलिस पर्यवेक्षक) अजय पाल शर्मा को भी निलंबित किया जाना चाहिए, क्योंकि वे भाजपा की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। अगर ईवीएम में छेड़छाड़ होती है तो हम क्या करें? यह हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं है। हम ऐसा नहीं कर रहे हैं। चुनाव आयोग क्या कर रहा है?" दत्ता ने कहा कि तृणमूल जहाँ आवश्यक समझती है, वहां उचित प्राधिकरण के पास शिकायत कर रही है और भाजपा को भी ऐसा ही करना चाहिए।" उन्होंने कहा, वे भेड़िया की तरह शोर मचा रहे हैं क्योंकि बंगाल और ममता बनर्जी के खिलाफ अपनी पूरी ताकत झोंकने के बावजूद हार रहे हैं।" दिन की शुरुआत में, ममता बनर्जी ने केन्द्रीय बलों पर "भाजपा के आदेश पर काम करने" का आरोप लगाया और भाजपा पर यह आरोप भी लगाया कि उन्होंने राज्य के बाहर से पर्यवेक्षक लाकर मतदाताओं को डराने की कोशिश की।

द्वितीय चरण का मतदान पूर्ण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिए कि किसी भी मतदाता को बिना वोट डाले वापस नहीं भेजा जाना चाहिए और उन्हें मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए, चाहे इसमें कितना भी समय क्यों न लगे। यह उत्साह इस बात का प्रमाण था कि मतदान प्रक्रिया निष्पक्ष और न्यायसंगत थी।

यह चुनाव ऐसा था, जिसमें सत्तारूढ़ दल द्वारा बड़े पैमाने पर धांधली और उसके गुंडों द्वारा मतदाताओं को डराने-धमकाने की घटनाएँ नहीं हुईं। हताशापूर्ण प्रयासों के बावजूद, तृणमूल कांग्रेस सुरक्षा व्यवस्थआ पर कोई प्रभाव नहीं डाल सकी और न ही व्यापक डर या धमकी की स्थिति पैदा कर सकी।

इसका परिणाम यह हुआ कि मतदान बड़ी मात्रा में हुआ और दोनों चरणों में कुल मतदान 90 प्रतिशत से अधिक गया। चुनाव आयोग को उत्कृष्ट व्यवस्था और सुचारू मतदान के लिए हर प्रकार की प्रशंसा मिलनी चाहिए, हालांकि कुछ आलोचकों ने केन्द्रीय बलों की भूमिका और हिंसा पर उनके कड़े रुख या मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों की आलोचना की।

बेशक, सत्तारूढ़ दल के प्रतिष्ठित बाहुबली नेताओं द्वारा मतदान प्रक्रिया पर अब तक निर्बाध नियंत्रण रखने के कई प्रयास हुए। उदाहरण के लिए, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के एक करीबी सहयोगी ने डायमंड लेबर क्षेत्र में पहले की तरह ही चुनाव कराने की योजना बनाई।

कल ही, उन्होंने अपने क्षेत्र में मतदाताओं से मतदाता पहचान पत्र जबरन एकत्र करना शुरू कर दिया था। उन्हें कड़ी चेतावनी तब मिली, जब उनके क्षेत्र के पोल ऑब्जर्वर ने उनके कार्यालय और घर में छापा मारा और चेतावनी दी कि यदि वे नहीं सुधरे तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इसके बाद, जहांगीर फरार हो गया और मतदान के दिन नहीं दिखा।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी के चुनाव क्षेत्र, भवानीपुर में मतदान को प्रभावित नहीं कर सकी। वहाँ उनके प्रतिद्वंदी थे भाजपा के शुबनेन्दु अधिकारी, जिन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम से उन्हें हराया था।

जब अधिकारी व्यवस्था देखने आए, तो ममता बनर्जी अपने क्षेत्र में ही इंतजार करती रहीं। इसके बाद, तृणमूल कांग्रेस ने उस समय कुछ शरारत करने का प्रयास किया, जब अधिकारी व्यवस्था का निरीक्षण कर रहे थे।

इस चुनाव का थीम, जिसे लोगों ने स्वाभाविक रूप से व्यक्त किया, शासन में परिवर्तन था। भाजपा ने इस थीम को अपने मुख्य आ ान के रूप में कुशलतापूर्वक अपनाया और एग्ज़िट पोल में भी यही संकेत मिला।

मतदान समाप्त होने के बाद, अधिकांश एग्ज़िट पोल्स ने भाजपा के बहुमत और राज्य में उसके वोट शेयर में अच्छी-खासी वृद्धि की भविष्यवाणी की। लेकिन पोल के आंकड़े जटिल और आपस में उलझे हुए हैं, जिससे विभिन्न कारकों का असर समझना कठिन हो गया है।

एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि मतदान प्रतिशत काफी बढ़ गया। पिछले सभी चुनावों की तुलना में इस बार मतदान स्पष्ट रूप से बहुत अधिक था। मतदान समाप्त होने के समय, 93-95 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने वोट डाले।

इसके अलावा, इस बार मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। अब तक, बड़ी संख्या में वोट सत्तारूढ़ दल द्वारा फर्जीवाड़े से डलवाये जाते थे। सत्तारूढ़ दल को बड़ी मात्रा में फर्जीवाड़ा करना पड़ता था, क्योंकि उन्हें यकीन नहीं होता था कि वोट उनके पक्ष में डाले जाएंगे।

इसलिए यह मान लेना सुरक्षित है कि यदि मतदान में फर्जीवाड़ा नहीं हुआ, तो वोट शासन के खिलाफ डाले गए।

इसके अलावा, हाल ही में संपन्न एसआईआर प्रक्रिया के तहत लगभग एक करोड़ मतदाता मतदाता सूची से हटाए गए। यह संख्या महत्वपूर्ण है, खासकर यह देखते हुए कि कई मामलों में जीत का अंतर ज्यादा बड़ा नहीं होता था। अब यह स्पष्ट नहीं है कि एसआईआर सीट जीत अनुपात और परिणामों को कैसे प्रभावित करेगी।

सभी एग्ज़िट पोल्स भाजपा के वोट शेयर में तीव्र वृद्धि दिखा रहे हैं। यह सीटों की संख्या पर भी दिखाई देगा।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908